देश की रक्षा संग रोजगार के द्वार भी खोलेगा रक्षा औद्योगिक गलियारा

राज्य, जागरण● लखनऊ : उत्तर प्रदेश का रक्षा औद्योगिक गलियारा देश की रक्षा के साथ-साथ युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार भी खोलेगा। रक्षा औद्योगिक गलियारे के छह नोड में अभी तक 30,000 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश को लेकर 170 समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं, जबकि 57 निवेशकों को भूमि भी आवंटित की जा चुकी है।

भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के बीच उत्तर प्रदेश के रक्षा औद्योगिक गलियारे पर सभी की निगाहें हैं। लखनऊ, अलीगढ़, कानपुर, झांसी, आगरा और चित्रकूट में रक्षा औद्योगिक गलियारे के छह नोड स्थापित किए जा रहे हैं। अभी तक 57 औद्योगिक इकाइयों की स्थापना पर 9462.8 करोड़ रुपये का निवेश आ चुका है। झांसी नोड में 16 कंपनियों को 531.09 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई है, जिसके तहत 4372.81 करोड़ रुपये का निवेश और 2,928 लोगों को मिलेगा। यहां विस्फोटक, गोला-बारूद और मिड-कैलिबर इन्फैंट्री हथियारों के उद्यम स्थापित होंगे। इसी प्रकार कानपुर नोड

170 एमओयू अब तक हुए रक्षा औद्योगिक गलियारे को लेकर

में पांच कंपनियों को 210.60 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई है, जिससे 1758 करोड़ रुपये का निवेश आ चुका है। यहां छोटे, मध्यम और बड़े आकार के गोला-बारूद, बुलेटप्रूफ जैकेट, विशेष कपड़े और छोटे हथियारों की इकाइयां स्थापित की जा रही हैं। वहीं अलीगढ़ नोड में सर्वाधिक 24 कंपनियों को 64.001 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई है, जिसमें 1921 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। यह नोड ड्रोन, गोला-बारूद, काउंटर ड्रोन सिस्टम, सटीक उपकरण, मेक्ट्रोनिक्स, छोटे हथियार और रडार निर्माण का केंद्र बन रहा है। लखनऊ नोड में ब्रह्मोस एयरोस्पेस सहित 12 कंपनियों को 117.35 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई है। इससे 1411 करोड़ रुपये का निवेश आएगा। यहां विश्व की सबसे शक्तिशाली सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस के अलावा मिसाइल सिस्टम, गोला-बारूद, रक्षा पैकेजिंग, ड्रोन और छोटे हथियारों का निर्माण होगा।